1105/rajinder
 RS 11.05 Shl. 18.12.2023 तारांकित प्रश्न एवं उत्तर श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल शुरू होता है। तारांकित प्रश्&zwj;न संख्&zwj;या : 2 1 श्री प्रदीप चौधरी : माननीय अध्&zwj;यक्ष महोदय, पहले तो अगर कहीं पर कोई नई सड़क बनवानी होती है तो उसके लिए कई-कई साल तक अखबारों के माध्&zwj;यम से बात उठानी पड़ती है कि सड़क टूटी पड़ी है और लोग परेशान हैं। उसके बाद जब साल दो साल के बाद किसी सड़क के बनने का नम्&zwj;बर आता है तो सड़क बनते-बनते ही सड़क टूटनी शुरू हो जाती है। हमारे उप मुख्&zwj;यमंत्री महोदय ने कहा है कि बरसात के कारण कई जगह सड़क में गढ्डे पड़ गये जिनका पैच वर्क करवा दिया गया है। मेरा यह कहना है कि यह सड़क तो बनते-बनते ही टूट गई थी। उस समय जब केशव कालोनी, रायपुररानी के कुछ दुकानदार आपके पास आये और उन्&zwj;होंने यह कहा कि वहां पर जो नाला बन रहा है वह गलत बन रहा है उनके द्वारा उस नाले का बहुत विरोध किया गया लेकिन अधिकारियों द्वारा उनकी आवाज की सुनवाई नहीं की गई और आज भी उस नाले की स्थिति वैसी की वैसी है। बरसात के मौसम में उनका बहुत ज्&zwj;यादा नुक्&zwj;सान हुआ है। अगर अब भी बरसात पड़ेगी तो अब भी पहले की ही तरह पानी भर जायेगा। चाहे केशव कालोनी हो, कशाल वाला मंदिर हो और चाहे आईडिया टॉवर कॉलोनी हो वहां के सभी लोग आज भी उस नाले से परेशान हैं। जब भी बरसात पड़ती है तो तहसील के सामने दो-दो फुट पानी इक्&zwj;ट्ठा हो जाता है। वहां पर डिवाइडर टूटे पड़े हैं। शुक्रवार को जब मेरा क्&zwj;वैश्&zwj;चन लगा तभी वीरवार को वहां पर पैच वर्क का काम किया गया। वहां पर अगर गांव गढ़ी से लेकर रायपुररानी तक देखा जाये तो कितने पैच वर्क उसमें हुए हैं। वहां पर नाले टूटे पड़े हैं। जो पांच-पांच फुट का फुटपाथ बनाया गया था वह भी टूटा पड़ा है। फुटपाथ तो कहीं-कहीं पर दब भी गया है। फुटपाथ का कहीं पर भी पता नहीं चलता। पी.डब्&zwj;ल्&zwj;यू.डी. के स्&zwj;तर पर उस सड़क में यूज किये गये मैटीरियल की उच्&zwj;च स्&zwj;तरीय जांच करवाई जाये। आज वहां पर लोग इस सड़क के कारण बहुत ज्&zwj;यादा परेशान हैं। इसके डर से अकेली केशव कॉलोनी में से ही दो-तीन परिवार अपने मकान बेचकर पलायन करके चले गए हैं। मेरी बार-बार यही रिक्&zwj;वैस्&zwj;ट है कि इस सड़क में यूज किए गए मैटीरियल की पी.डब्&zwj;ल्&zwj;यू.डी. के स्&zwj;तर पर उच्&zwj;च स्&zwj;तरीय जांच करवाई जाये। यह स्&zwj;टेट हाईवे का मामला है। यह रोड बड़ी मुश्किल से बनी है। बनते-बनते ही यह सड़क टूटनी शुरू हो गई। वहां पर जगह-जगह नाले टूटे पड़े हैं। इसकी जांच करवाई जाये। श्री दुष्&zwj;यंत चौटाला : अध्&zwj;यक्ष महोदय, माननीय सदस्&zwj;य ने जिस सड़क की बात कही थी वह मौली से भूरेवाला सड़क थी। इस सड़क की टोटल लम्&zwj;बाई 13.4 किलोमीटर है। इस सड़क की date of completion 30.11.2022 थी और 24.11.2022 को इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका था। इस सड़क के निर्माण में कोई डिले नहीं हुआ है जैसा कि माननीय सदस्&zwj;य ने बोला है। दूसरी बात माननीय सदस्&zwj;य ने कहा कि सड़क टूट गई। माननीय सदस्&zwj;य की पूरी कांस्&zwj;टीच्&zwj;युएंसी में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं था जहां इस बार जुलाई में हैवी मानसून के कारण रोड डेमैज न हुई हो केवल पी.डब्&zwj;ल्&zwj;यू.डी. और स्&zwj;टेट हाईवेज की बात ही नहीं है, शिमला जाने वाला नैशनल हाईवे जो इतने बड़े कंक्रीट वॉल के साथ गार्डिड था उसको भी पंचकूला और कालका के बीच में पानी का बहाव काटकर ले गया। जहां इस सड़क में पानी के बहाव से नुक्&zwj;सान हुआ था वह टोटल रिपेयर कर दिया गया था। यह सड़क डिफैक्&zwj;ट लॉयबिलिटी पीरियड के अंदर होने के कारण किसी दूसरे व्&zwj;यक्ति ने नहीं बल्कि उस कांट्रैक्&zwj;टर ने ही इस सड़क की रिपेयर की है। मैं सदन को बताना चाहूंगा कि एक नहीं 1200 से ऊपर गांवों को जोड़ने या टच करने वाली छोटी-बड़ी सड़कों का नुक्&zwj;सान हुआ है और हमने प्रॉयरिटी के तौर पर उन सभी सड़कों को इमीडियेट रिपेयर में डाला ताकि संसाधनों की मूवमैंट में कोई कमी न आये। फिर भी माननीय सदस्&zwj;य यदि कहते हैं कि कोई स्&zwj;पैसिफिक कॉलोनी का कोई स्&zwj;पैसिफिक नाला बनाया जाना है तो इस बारे मेरा यही कहना है कि नाला बनवाना और नाला मेनटेन करना कई जगह एम.सीज. का काम है और कई जगह पंचायती राज का काम है। हमारी व्&zwj;यवस्&zwj;था सिर्फ इतनी होती है कि इनीशियली तौर पर जब सड़क बनती है तो वहां प्रॉविजन डाली जाये। लोग अपनी व्&zwj;यवस्&zwj;था के लिए भी मिलते हैं क्&zwj;योंकि दुकान के पास नाला ऊपर हो जाता है या नीचे हो जाता है। उसकी समयानुसार हम रिमॉडलिंग करते रहते हैं। श्री प्रदीप चौधरी : अध्&zwj;यक्ष महोदय, जब नाला बनाया जा रहा था उस समय वहां के लोग पी.डब्&zwj;ल्&zwj;यू.डी. के अधिकारियों के पास मिलने के लिए गए उस समय अधिकारियों ने उनको आश्&zwj;वासन दिया कि हम उसको ठीक कर देंगे लेकिन आज भी वह नाला ठीक नहीं हुआ है। आज भी वहां के लोग बरसात से डरते हैं कि पता नहीं कब बरसात हो जाये और उनके घरों और दुकानों में पानी भर जाये। इससे वहां पर एक बहुत बड़ी द&zwj;हशत का माहौल बना हुआ है। वहां पर नाले टूटे पड़े हैं। परसों ही वहां पैच वर्क का काम शुरू किया गया है। जब विधान सभा में मेरा सवाल लगा उसके बाद ही वहां पर काम शुरू किया गया। ये मेरे पास परसों की फोटोज हैं। मेरा बार-बार यही कहना है कि इस नाले को जल्&zwj;दी से जल्&zwj;दी ठीक करवाया जाये क्&zwj;योंकि पिछली बार लोगों के घरों और दुकानों में पानी जाने के कारण फ्रिज खराब हो गये, गेहूं खराब हो गई और कपड़े खराब हो गये। मेरा कुल मिलाकर यही कहना है कि इस पर विशेष तौर पर ध्&zwj;यान दिया जाये। 1110/Om Parkash
 18.12.2023 Rana/ Rajesh 11.10 श्री दुष्&zwj;यंत चौटाला: अध्&zwj;यक्ष महोदय, माननीय सदस्&zwj;य का सवाल एक सड़क से शुरू हुआ था और अब नाला बनाने पर आ गया है। मैं इसकी इन्&zwj;कवायरी करवा लेता हूं और संबंधित विभाग चाहे वह रूरल डिवैल्&zwj;पमैंट हो या अर्बन लोकल बॉडीज का एरिया पड़ता हो उनसे हम पानी की एक्&zwj;सैस के लिए लैंड उपलब्&zwj;ध करवाने के लिए कहेंगे। आपने स्&zwj;वयं देखा है कि एन.एच.ए.आई. जैसी ऐजेन्&zwj;सी को भी इसमें दिक्&zwj;कत आती है क्&zwj;योंकि रेन वाटर ड्रेन तो हाइवे के साथ-साथ बन जाती है लेकिन उससे आगे एक्&zwj;सेसिबिलिटी के लिए लैंड नहीं मिलती है जिसके कारण आगे पानी नहीं निकल पाता है। इसके बावजूद भी मैं इसकी इन्&zwj;कवायरी करवा लूंगा। श्री अध्&zwj;यक्ष: उप-मुख्&zwj;यमंत्री जी, वहां पर ऐसी प्रॉब्&zwj;लम नहीं है आप एक नाला बनवा दीजिए यह समस्&zwj;या समाप्&zwj;त हो जायेगी। वह तो सड़क के साथ ही नाला बनना है। श्री दुष्&zwj;यंत चौटाला: अध्&zwj;यक्ष महोदय, मैं इसको दिखवा लूंगा। तारांकित प्रश्&zwj;न संख्&zwj;या 22 श्री सुरेन्&zwj;द्र पंवार: अध्&zwj;यक्ष महोदय, वर्ष 2005 में प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद माननीय नेता प्रतिपक्ष पूर्व मुख्&zwj;यमंत्री चौ. भूपेन्&zwj;द्र सिंह हुड्डा जी ने प्रदेश के राजकीय स्&zwj;कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए लगभग 20 हजार शिक्षक भर्ती किये थे। उस समय जल्&zwj;दी में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो सकती थी इसलिए अतिथि अध्&zwj;यापकों की भर्ती की गई। वर्तमान में राजकीय विद्यालयों में लगभग 12746 अतिथि अध्&zwj;यापक कार्यरत हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में 9 साल के कार्यकाल के बाद भी अतिथि अध्&zwj;यापकों को नियमित नहीं किया गया। जहां तक मंत्री जी के जवाब की बात है तो उसमें यह लिखा हुआ है कि ये अतिथि अध्&zwj;यापक 58 साल यानी सेवा निवृति की तिथि तक कार्यरत रहेंगे। जहां तक अतिथि अध्&zwj;यापकों और नियमित अध्&zwj;यापकों की सैलरी की बात है तो जे.बी.टी. गैस्&zwj;ट टीचर्स को 35400/- रुपये का स्&zwj;लैब दिया जाता है जबकि नियमित जे.बी.टी. टीचर्स को 55 हजार रुपये का स्&zwj;लैब मिलता है। इसी प्रकार से टी.जी.टी. की बात की जाये तो गैस्&zwj;ट टीचर्स को 39900/- तथा नियमित टीचर्स को 65 हजार रुपये का स्&zwj;लैब मिलता है। अगर पी.जी.टी. की बात की जाये तो इसमें भी गैस्&zwj;ट टीचर्स को 47600/- रुपये तथा नियमित टीचर्स को 70 हजार रुपये का स्&zwj;लैब मिलता है जबकि वे भी पूरे समय तक ड्यूटी देते हैं। उनके साथ इस प्रकार का भेदभाव क्&zwj;यों किया जाता है? उनको सर्विस करते हुए 18 साल का समय हो गया है इसलिए उनको उनके सभी अधिकार मिलने चाहिएं। जहां तक उनकी ट्रांसफर पॉलिसी की बात है तो इसमें भी सुधार किया जाना चाहिए। अध्&zwj;यापकों के साथ ही अतिथि अध्&zwj;यापकों की भी 5 साल के लिए जो पॉलिसी बनाई गई है उसमें गैस्&zwj;ट टीचर्स को भी ठहराव होना चाहिए तथा गैस्&zwj;ट टीचर्स को भी यैस और नो का ऑप्&zwj;शन होना चाहिए। जहां पर पति-पत्&zwj;नी गैस्&zwj;ट टीचर्स हैं उनको भी नियमित टीचर्स की तरह अतिरिक्&zwj;त अंक मिलने चाहिएं। मैं आपके माध्&zwj;यम से इसके बारे में माननीय मंत्री जी से जवाब चाहता हूं। श्री कंवर पाल: अध्&zwj;यक्ष महोदय, वर्ष 2005 में जब गैस्&zwj;ट टीचर्स की भर्ती की गई थी तब वह पीरियड के हिसाब से भर्ती की गई थी लेकिन उसके बाद उनको रेगुलर तनख्&zwj;वाह दी जाने लगी। उसके बाद 12.03.2019 को हरियाणा स्&zwj;टेट गैस्&zwj;ट टीचर्स सर्विस एक्&zwj;ट, 2019 लागू किया गया। यह उन्&zwj;हीं की डिमांड थी और यह उनके साथ विचार-विमर्श करके लागू किया गया था। इस एक्&zwj;ट के तहत गैस्&zwj;ट टीचर्स 58 वर्ष की आयु तक अपनी सेवाएं दे सकेंगे यानी उनको बीच में हटाने का कोई प्रावधान नहीं है और न ही हम हटायेंगे। इस एक्&zwj;ट में गैस्&zwj;ट टीचर्स की सर्विस को रेगुलर करने का कोई प्रावधान नहीं है। इस एक्&zwj;ट के तहत गैस्&zwj;ट टीचर्स को दिये जाने वाले मासिक मानदेय पर रेगुलर टीचर्स को दिये जाने वाले डी.ए. के अनुरूप वर्ष में दो बार जनवरी तथा जुलाई में महंगाई भत्&zwj;ता दिया जाता है।